कार्यालय जिला पंचायत (ग्रामीण विकास) छिंदवाड़ा

ग्राम पंचायतों में 10 हजार जल संरचनाओं का होगा निर्माण
जिपं सीईओ सुश्री मीणा ने एसडीओ,एई की बैठक में दिए निर्देश

छिंदवाड़ा 06 जनवरी 12 । महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजनांतर्गत जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में सार्थक पहल की जा रही है । जिले में लगभग 10 हजार जल संरचनाओं का निर्माण कराया जाकर पानी रोका जाएगा । इस कार्य को अभियान के रूप में पूर्ण किया जाएगा । उक्त आशय के निर्देश मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सुश्री स्वाति मीणा ने गत दिवस आयोजित बैठक में दिए । बैठक में कार्यपालन यंत्री श्री आरपी साहू, एसडीओ आरईएस एवं सहायक यंत्री उपस्थित थे । सुश्री मीणा ने कहा कि इस वर्ष मनरेगा में अधिक से अधिक जल संरक्षण के कार्य लिए जाकर कार्ययोजना तैयार की जाए । कार्ययोजना को मूर्तरूप देते हुए जून माह तक समस्त कार्य पूर्ण कराए जाए, जिससे इस वर्षा का जल रोका जा सके । इस कार्य को अभियान के रूप में लें । जिले में हजारों जल संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित कर जनपद पंचायतों को दिया गया है । जल संरचनाओं के तहत जिले में तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण/जीर्णोद्धार , स्टापडेम, खेत तालाब, बोल्डर चैकडेम, बड़े तालाब, गेबियन संरचना एवं भूमिशिल्प के कार्य बहुतायत में कराये जाए । तामिया को 954, पांढुर्णा 878, सौंसर 485, चौरई 578, अमरवाड़ा 571, हर्रई 558, परासिया 1396, जुन्नारदेव 1733, छिंदवाड़ा 695, मोहखेड़ 804 एवं बिछुआ जनपद पंचायत को 891 जलसंरचनायुक्त कार्यों का लक्ष्य दिया गया है । इसके अतिरिक्त प्रत्येक ग्राम पंचायतों में खेल मैदान लिए जाकर प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराए जाने के भी निर्देश दिए गए । इस अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले एसडीओ, एई एवं उपयंत्रियों को प्रशस्ति पत्र भी दिए जाएंगे ।

महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत पूर्ण कराए गए कार्यों की सीसी जारी करने के निर्देश एसडीओ, सहायक यंत्रियों को दिए गए हैं । सीसी के साथ कार्यों के छायाचित्र भी होना आवश्यक है । मुख्यमंत्री सड़क योजना के कार्यों में प्रगति लाए । एसडीओ के अलावा सहायक यंत्री भी मुख्यमंत्री के सड़क के कार्यों को देखेंगे । जिन ग्राम पंचायतों में मजदूरी पर अधिक व्यय किया गया है, उन ग्राम पंचायतों में स्टापडेम के कार्य लिए जा सकेंगे । स्टापडेम का कार्य लेने के बाद भी 60:40 का अनुपात संधारित रखना आवश्यक है।

द्वारा : मीडिया शाखा, जिला पंचायत छिन्दवाड़ा